



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 101]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, अप्रैल 14, 2005/चैत्र 24, 1927

No. 101]

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 14, 2005/CHAITRA 24, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 2005

अन्तिम जांच परिणाम

विषय : ईरान मूल के अथवा वहां से निर्यातित हेक्सामाइन के आयातों संबंधी पाटनरोधी जांच.—

सं. 14/35/2002-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आंकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995, को ध्यान में रखते हुए;

क. प्रक्रिया :

1. इस जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया अपनाई गई है :
 - (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) ने उपरोक्त नियमावली के अंतर्गत घरेलू उद्योग की ओर से मैसर्स कनोरिया केमिकल्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड (जिसे इसके बाद याचिकाकर्ता कहा गया है) से एक याचिका प्राप्त की जिसमें ईरान (जिसे इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित हेक्सा मेथिलीन टेट्रामाइन, जो बाजार की बोलचाल में हेक्सामाइन (जिसे इसके बाद संबद्ध माल कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया गया।
 - (ii) प्राधिकारी ने भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित 18 सितंबर, 2002 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसके अनुसार ईरान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध माल जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 के सीमाशुल्क उपशीर्ष सं. 2921.2901 के तहत वर्गीकृत है, के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच आरंभ की गई।

- iii) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसके इसके बाद प्राधिकारी भी कहा गया है) ने दिनांक 23 दिसंबर, 2002 की अधिसूचना सं० 14/35/2002-डीजीएडी द्वारा प्रारंभिक जांच-परिणामों को अधिसूचित किया और उसमें ईरान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित हेक्सामाइन के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच में पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की गई ।
- iv) प्राधिकारी ने ज्ञान इच्छुक पक्षकारों को प्रारंभिक जांच-परिणामों की एक-एक प्रति अग्रेषित की और उनसे अनुरोध किया कि वे उस पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने-अपने विचार, यदि कोई हो, प्रस्तुत कर दें ।
- v) प्राधिकारी ने संबद्ध देश के नई दिल्ली स्थित दूतावासों/उच्चायोगों/प्रतिनिधियों को भी प्रारंभिक जांच-परिणामों की एक-एक प्रति भेजी और उनसे अनुरोध किया कि वे उन प्रारंभिक जांच-परिणामों पर अपने-अपने विचार प्रस्तुत कर दें ।
- vi) प्रारंभिक जांच-परिणामों को अधिसूचित किए जाने के बाद निर्यातक ने नियमावली के अनुसार अपना कीमत-वचन देने की इच्छा व्यक्त की । इस निर्यातक ने यह भी सूचित किया कि यह वचन स्वीकार कर दिए जाने के पश्चात जांच समाप्त कर दी जानी चाहिए क्योंकि ईरान में हेक्सामाइन का कोई और उत्पादक नहीं है ।
- vii) घरेलू उद्योग ने निर्दिष्ट प्राधिकारी से यह भी अनुरोध किया कि वह निर्यातक द्वारा दिए जा रहे कीमत-वचन को स्वीकार कर लें और उसके परिणामस्वरूप जांच को रोक दें ।
- viii) प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 15 के अनुसार मै० सिना केमिकल्स इंडस्ट्री कंपनी के कीमत वचन को स्वीकार किया और तदनुसार मै० सिना केमिकल्स इंडस्ट्री द्वारा हेक्सामाइन की सभी किस्मों के निर्यातों के मामले में कोई भी पाटनरोधी शुल्क लागू नहीं किया जाना था । किंतु, निर्यातक द्वारा इस वचन के क्रियान्वयन में किसी भी उल्लंघन के मामले में प्रारंभिक जांच-परिणामों में निर्धारित शुल्कों को तब तक लागू किया जाना था जब तक कि प्राधिकारी इस संबंध में कोई विशेष सिफारिश नहीं कर देता ।
- ix) मै० सिना केमिकल्स इंडस्ट्री कं० द्वारा कीमत वचन के उल्लंघन संबंधी आरोप लगाते हुए आवेदक मै० कनोरिया केमिकल्स एंड इंडस्ट्रीज लि०, मुंबई द्वारा दिनांक 27.4.04 को दिए गए अभ्यावेदन प्राप्त करने पर और पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 के अनुसार समय-समय पर निर्यातक द्वारा दी गई जानकारी की जांच के बाद प्राधिकारी ने निर्णय लिया कि मै० सिना केमिकल्स इंडस्ट्री कं० द्वारा दिए गए कीमत-वचन को रद्द किया जाए और दिनांक 17 सितंबर, 2003 के जांच-आदेश का निलंबन वापस ले लिया जाए ।

- x) दिनांक 17 सितंबर, 2003 के जांच-आदेश का निलंबन वापस लेते हुए दिनांक 23 दिसंबर, 2002 के प्रारंभिक जांच-परिणाम सं० 14/35/2002-डीजीएडी और दिनांक 15 अक्टूबर, 2004 की अधिसूचना सं० 14/35/2002-डीजीएडी के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार ने दिनांक 27 जनवरी, 2005 की अधिसूचना सं० 5/2005-सीमाशुल्क द्वारा ईरान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित हेक्सामाइन पर पाटनरोधी शुल्क लगा दिया ।
- xi) प्राधिकारी ने दिनांक 15 अक्टूबर, 2004 की अधिसूचना सं० द्वारा दिनांक 17 सितंबर, 2003 के आदेश द्वारा निलंबित जांच की पुनः सिफारिश की ।
- xii) प्राधिकारी ने सभी इच्छुक पक्षकारों से दिनांक 23 दिसंबर, 2002 के प्रारंभिक जांच-परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित की जिसके लिए 40 दिनों की अवधि का समय दिया गया ।
- xiii) प्राधिकारी ने इच्छुक पक्षकारों की सुनवाई करने के लिए दिनांक 3.3.2005 को एक मौखिक सुनवाई आयोजित की जिसमें केवल घरेलू उद्योग ही उपस्थित हुआ । इस सुनवाई में निर्यातक का प्रतिनिधि, ईरान का दूतावास अथवा कोई अन्य इच्छुक पक्षकार उपस्थित नहीं हुआ । सार्वजनिक सुनवाई में उपस्थित पक्षकार से अनुरोध किया गया कि वह मौखिक रूप से व्यक्त अपने निवेदनों को लिखित रूप में प्रस्तुत कर दें । निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इच्छुक पक्षकार से उक्त जांच-परिणामों में प्राप्त निवेदनों पर विचार किया ।
- xiv) प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणामों के फलस्वरूप विभिन्न इच्छुक पक्षकारों द्वारा व्यक्त तथा प्रस्तुत सभी निवेदनों पर विचार किया है ।
- xv) याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत जानकारी के आधार पर सामान्यतया स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के अनुसार अनुकूल उत्पादन लागत तथा भारत में संबद्ध माल के विनिर्माण तथा बिक्री लागत का हिसाब लगाने के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत का विश्लेषण किया गया ताकि इस बात का पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम राशि का पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने पर वह घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को समाप्त करने हेतु पर्याप्त रहेगा । मै० कनोरिया केमिकल्स एंड इंडस्ट्रीज लि० की उत्पादन लागत संबंधी आंकड़ों पर समुचित रूप से विचार किया गया और उनकी जांच की गई ।
- xvi) प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत जानकारी की यथावश्यक सीमा तक पड़ताल की ।
- xvii) प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार विभिन्न इच्छुक पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश को अपने पास कायम सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया और उसे इच्छुक पक्षकारों के निरीक्षण के लिए खुला रखा ।

- xviii) उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार, इन जांच परिणामों के लिए आवश्यक तथ्यों/आधार का इच्छुक पक्षकारों को खुलासा किया और उस ८ प्राप्त टिप्पणियों पर भी इन जांच परिणामों में विधिवत विचार किया गया है ।
- xix) प्राधिकारी ने दिनांक 1 अप्रैल 2001 से 30 जून 2002 तक (15 माह) की अवधि के लिए जांच अवधि तय की और क्षति विश्लेषण वर्ष 1999-2000, 2000-01 और अप्रैल 2001-जून 2002 तक की अवधि के लिए किया गया ।
- xx) इस अधिसूचना में **** पर दी गई जानकारी इच्छुक पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत जानकारी व्यक्त की गई है और प्राधिकारी ने उक्त नियमावली के अनुसार इसी पर विचार किया है ।
- xxi) इस अधिसूचना में "नियमावली" अथवा "पाटनरोधी नियमावली" का आशय सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन तथा संग्रहण और क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1995 से है ।

ख. विचाराधीन उत्पाद

2. हेक्सा मेथिलीन टेट्रामाइन को बाजार की बोलचाल में हेक्सामाइन के रूप में जाना जाता है । हेक्सा मेथिलीन टेट्रामाइन एक सफेद क्रिस्टलीन पाउडर होता है जिसका एक सफेद धात्विक स्वाद होता है । शुद्ध रूप में यह रंगहीन और गंधहीन होता है । यह रोम्बिक डोडेकहेड्रोन्स को क्रिस्टलाइज करता है । हेक्सा मेथिलीन टेट्रामाइन मिश्रण एमोफोर्म, मेथनामाइन, क्रिस्टामाइन, सिस्टोजन, यूरोट्रोपाइन के रूप में भी जाना जाता है । यह सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 और आईटीसी सं० 2921.2901 के तहत वर्गीकृत है ।
3. हेक्सामाइन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण औद्योगिक प्रयोग लोस फेनोलिक रेजिन के विनिर्माण के लिए किया जाता है । इसका अन्य महत्वपूर्ण प्रयोग एक उच्च विस्फोटक साइक्लोनी के विनिर्माण के लिए होता है । हेक्सामाइन कार्य में चूंकि एंटीबेक्टीरियल होता है, अतः इसका प्रयोग यूरीनरी एंटीसेप्टिक के तौर पर किया जाता है । इसका प्रयोग निम्नलिखित के लिए भी किया जाता है:
 - एडहेसिव
 - कोटिंग
 - सीलिंग कंपाउंड
 - खालों के प्रतिरक्षण में

- रबड़ वल्कनाइजेशन एक्सेलेरेटर के रूप में
- स्टील के लिए कोरोजन इनहिबिटर के रूप में
- डाई फिक्वेचर
- कैपिंग स्टोवों के लिए ईंधन टेबलेट
- तेलों के लुब्रीकेटिंग तथा इंसुलेटिंग के लिए स्टैबिलाइजर ।

ग. समान उत्पाद

4. इस बात को साबित करने के लिए कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित हेक्सामाइन ईरान से निर्यातित उत्पाद की समान वस्तु है, प्राधिकारी द्वारा तकनीकी विनिर्देशन, विनिर्माण प्रक्रिया, कार्य तथा प्रयोग और टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं पर विचार किया गया ।
5. प्राधिकारी को लगता है कि दिनांक 23 दिसंबर, 2002 के प्रारंभिक जांच-परिणामों की अधिसूचना जारी किए जाने से पहले अथवा उसके बाद ऐसा कोई तर्क नहीं है जिससे यह विवाद हो कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित हेक्सामाइन की विशेषताएं वही हों जो आयातित माल के विशेषताओं से मिलती-जुलती हों और वाणिज्यिक तथा तकनीकी रूप से संबद्ध देश से आयातित हेक्सामाइन के प्रतिस्थापनीय हो । घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित हेक्सामाइन को नियम 2(घ) के आशय के भीतर ईरान से निर्यातित उत्पाद के समान उत्पाद के रूप में माना गया है ।

घ. घरेलू उद्योग

6. मै0 कनोरिया कमिकल्स एंड इंडस्ट्रीज लि0, मुंबई द्वारा याचिका दायर की गई है जिसमें ईरान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित हेक्सामाइन के पाटन का आरोप लगाया गया है । भारत में संबद्ध माल के चार उत्पादक हैं । अन्य तीन उत्पादकों ने याचिकाकर्ता का समर्थन किया । विभिन्न उत्पादकों द्वारा हेक्सामाइन का उत्पादन निम्नानुसार है:-

	1998-99	1999-2000	2000-2001	अप्रैल, 2001 - जून, 2002
याचिकाकर्ता				
कनोरिया	***	***	***	***
अन्य उत्पादक	***	***	***	***
सिमालिन	***	***	***	***
रॉकहार्ड	***	***	***	***
न्यूटन	***	***	***	***
कुल भारतीय उत्पादन	***	***	***	***

1217 GI/2005-2

7. प्राधिकारी नोट करता है कि किसी भी इच्छुक पक्षकार ने पाटनरोधी नियमवली के नियम 5 के अनुसार प्रार्थना-पत्र दायर करने के संबंध में अपने अधिकार के बारे में आवेदक के दावे पर विवाद हेतु कोई मुद्दा नहीं उठाया ।
8. भारतीय विनिर्माताओं के उत्पादन ब्यौरों की जांच के पश्चात प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि जांच अवधि के दौरान भारतीय उद्योगों के कुल उत्पादन का 35.62% भाग आवेदक द्वारा उत्पादित किया गया और सभी अन्य तीन उत्पादकों ने इस प्रार्थना-पत्र का समर्थन किया है । आवेदक के प्रार्थना-पत्र का कोई विरोध नहीं हुआ है । उपरोक्त को देखते हुए प्राधिकारी यह पाता है कि आवेदक ही घरेलू उद्योग है और उसे नियम 5 के अनुसार आवेदन-पत्र दायर करने का दर्जा प्राप्त है ।

ड. अन्य मुद्दे

कीमत-वचन का उल्लंघन

9. दिनांक 23 दिसंबर, 2002 को प्रारंभिक जांच-परिणामों की अधिसूचना के पश्चात निर्यातक मै0 सिना केमिकल्स इंडस्ट्री कं0 ने निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध किया और निम्नलिखित अनुसार कीमत-वचन ऑफर की -

- (क) मै0 सिना केमिकल्स इंडस्ट्री कं0 इस बात पर सहमत है कि भारत के किसी भी निर्यातक को सीआईएफ भारतीय सीमाशुल्क फ्रंटियर, 700 अमरीकी डालर की प्रदत्त कीमत के आधारिक सीमाशुल्क से कम कीमत पर संबद्ध माल की बिक्री नहीं की जाए । यह कीमत जांच अवधि के दौरान 140 अम.डा./मी.टन की औसत मेथानोल कीमत पर आधारित है । मेथानोल की कीमत में कोई भी अंतर होने के मामले में यह कीमत निम्नलिखित फार्मूले के अनुसार बदली जाएगी:

हेक्सामाइन की कीमत में पिछली तिमाही की तुलना में 10 अम.डा./मी.टन से अधिक प्रमुख कच्चे माल अर्थात् मेथानोल की कीमतों में परिवर्तन समुचित रूप से परिलक्षित किया जाएगा । इस प्रयोजन के लिए यह समझा जाएगा कि मेथानोल की कीमतों में प्रत्येक अमरीकी डालर परिवर्तन से हेक्सामाइन की कीमत 1.65 अम.डा./मी.टन के हिसाब से बदली जाएगी । हेक्सामाइन की कीमतों में परिवर्तन तिमाही आधार पर प्रभावित होगी ।

- (ख) ऐसा प्रत्येक संशोधन मार्च, 2003 के महीने में किया जाएगा जो अप्रैल-जून, 2003 की अवधि के लिए प्रभावी होगा ।

- (ग) मेथानोल की कीमत में परिवर्तन पश्चिम एशिया क्षेत्र के लिए लागू आईसीआईएस-एलओआर में उल्लिखित तिमाही के दौरान औसत कीमत आधार पर किया जा सकेगा ।
10. यह कीमत वचन प्राधिकारी द्वारा दिनांक 17 सितंबर, 2003 की समसंख्यक अधिसूचना द्वारा स्वीकार किया गया ।
11. आवेदक मै0 कनोरिया केमिकल्स एंड इंडस्ट्रीज लि0 ने दिनांक 27 अप्रैल, 2004 को एक ऐसा अभ्यावेदन दर्ज कराया जिसमें मैसर्स सिना केमिकल्स इंडस्ट्री कं0 द्वारा कीमत वचन के उल्लंघन का आरोप लगाया गया । इस आवेदक ने उल्लंघन के ऐसे विशेष उदाहरण दिए जिनमें मार्च, 2004 के दौरान किया गया निर्यात 640 अम.डा. की इकाई दर पर किया गया था जबकि कीमत वचन के अनुसार निर्यात कीमत 698.83 अम.डा. होनी चाहिए । इसी प्रकार, अप्रैल, 2004 में किया गया पोतलदान 655 अम.डा. की इकाई कीमत पर किया गया जबकि यह 760.71 अम.डा. से भी कम कीमत पर नहीं होनी चाहिए था ।
12. यह निर्यातक कीमत वचन की अपेक्षाओं को पूरा करने में भी असफल रहा क्योंकि यह निर्यातक कीमत वचन के अनुसार नई तिमाहियों के लिए संशोधित परिशिष्ट क भेजने में असफल रहा ।
13. दिनांक 15 अक्टूबर, 2004 की अधिसूचना द्वारा जांच के पुनः आरंभ होने के पश्चात् निर्यातक को प्रारंभिक जांच-परिणामों पर टिप्पणी ऑफर करने का अवसर दिया गया । इस निर्यातक ने इस मामले के गुणावगुण पर प्रत्युत्तर नहीं दिया और कहा कि "हमने दिनांक 19 अगस्त, 2003 को उत्तर दिया है, सभी औपचारिकताओं को पूरा किया और हेक्सामाइन कीमत वचन के प्रपत्र पर हस्ताक्षर किए हैं और तब से जैसाकि वचन दिया गया, यदि भारतीय क्षेत्र के भीतर कोई निर्यात कार्यकलाप किया भी गया है तो तत्काल संदर्भ के लिए वाणिज्य मंत्रालय को सीधे ही पी/आई की एक प्रति भेजी गई है ।" इस निर्यातक ने आगे यह भी कहा है कि " आपकी जानकारी के लिए, एक वर्ष हो गया है जब हमने भारत को निर्यात रोक दिए हैं और इन परिस्थितियों में वहां अपना व्यवसाय जारी रखना हमारे हित में नहीं है ।"
14. मेथानोल की कीमतों में वृद्धि कीमत वचन के परिशिष्ट ख में दिए गए फार्मूले के अनुसार हेक्सामाइन की कीमतों में परिलक्षित की जानी चाहिए थी, जैसाकि नीचे सारणी में बताया गया है:

क्र.स	तिमाही	मेथानोल की औसत कीमत	140 अम.डा के आधार से मेथानो	1.65 कारक के मद्देनजर हेक्सामा इन पर	वचन कीमत	भारतीय पत्तन पर सीआई एफ कीमत	कीमत आधार सीमा शुल्क (प्रदत्त)	वास्तविक सीआई एफ निर्यात कीमत
-------	--------	---------------------	-----------------------------	--------------------------------------	----------	------------------------------	--------------------------------	-------------------------------

				ल की कीमत में वृद्धि	प्रभाव					
		तिमाही	औसत कीमत अम.ड I.	140	1.65	अंतर्राज्य ीय कीमत आधार	सी आई एफ आधार			
1	अक्तू.- दिस.03	जुलाई - सित.0 3	218	78	128.7 0	700	560.0 0	688.7 0	860.8 8	640
2	जन.- मार्च04	अक्तू.- दिस.0 3	224	84	138.6 0	700	583.3 3	721.9 3	902.4 2	640
3	अप्रैल- जून04	जन.- मार्च04	269	129	212.8 5	700	583.3 3	796.1 8	995.2 3	655
4	जुलाई- सित.- 04	अप्रैल- जून04	266	126	208.1 5	700	583.3 3	791.4 9	989.3 6	655
5	अक्तू. दिस.04	जुलाई - सित.0 4	242	102	168.9 9	700	583.3 3	752.3 2	940.4 0	655
6	जन.- मार्च05	अक्तू.- दिस.0 4	272	132	217.9 3	700	583.3 3	801.2 6	1001. 58	655

15. उपरोक्त से यह स्पष्ट है कि यह निर्यातक कीमत वचन में निर्यातक द्वारा सहमत फार्मूले के अनुसार यथापरिकलित बेंच मार्क कीमत से बहुत कम कीमत पर हेक्सामाइन का निर्यात करता रहा है ।
16. इस निर्यातक ने कीमत वचन के उल्लंघन के मुद्दे पर प्रत्युत्तर नहीं दिया है और इसकी बजाय कहा है कि वह भारत को हेक्सामाइन का निर्यात नहीं कर रहा था । आयातों के प्रवेश बीजकों से स्पष्ट रूप से यह इंगित होता है कि यह निर्यातक भारत को संबद्ध माल का निर्यात करता रहा था । अतः प्राधिकारी निर्यातक की इस बात को स्वीकार नहीं कर

सकता है कि यह निर्यातक कीमत वचन में विहित करार के उल्लंघन में भारत को हेक्सामाइन का निर्यात करता रहा।

च. पाटन मार्जिन की गणना संबंधी पद्धति

च.1 सामान्य मूल्य

17. प्राधिकारी नोट करता है कि इस निर्यातक ने प्रारंभिक जांच-परिणामों संबंधी अधिसूचना से पहले घरेलू बिक्रियों के संबंध में प्रश्नावली के संगत परिशिष्ट में जानकारी तथा आंकड़े प्रदान नहीं किए।
18. प्राधिकारी ने इस निर्यातक को इस बात के लिए यह भी अवसर दिया कि वह प्रारंभिक जांच-परिणामों की अधिसूचना के बाद और दिनांक 15 अक्टूबर, 2004 को जांच के पुनः आरंभ होने के फलस्वरूप अपेक्षित आंकड़े प्रदान कर दे। इस निर्यातक ने प्रश्नावली का प्रत्युत्तर नहीं दिया।

प्राधिकारी द्वारा जांच

19. प्राधिकारी नोट करता है कि चूंकि घरेलू बिक्री संबंधी आंकड़े तथा जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई है अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के उप नियम 2(i) तथा (ii) के साथ पठित धारा 9क(I)(ग)(i) तथा (ii) में विहित उपबंधों के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा सकता है और वह नियम 6(8) के अनुसार 'उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने पर बाध्य है।
20. संबद्ध माल की परिकलित लागत का निर्धारण उद्भव के देश की अनुमानित उत्पादन लागत जमा बिक्री, प्रशासनिक तथा सामान्य खर्चों और ईरान में संबद्ध माल के सामान्य मूल्य का हिसाब लगाने के लिए यथोचित समायोजन के पश्चात लाभ की यथोचित राशि के संबंध में उपलब्ध जानकारी के आधार पर किया गया है और यह इस प्रकार 1 अम.डा.= 48.02 रू० के हिसाब से जांच अवधि के लिए औसत विनिमय दर पर *** अम.डा./मी.टन अथवा *** रू./मी.टन निर्धारित की गई है।

च.2 निर्यात कीमत

21. प्रारंभिक जांच-परिणामों की अधिसूचना से पहले मै0 सिना केमिकल्स ने प्रश्नावली के कुछ ही पृष्ठ भेजे हैं और कहा है कि वे प्राधिकारी को अपेक्षित जानकारी यथाशीघ्र प्रदान करेंगे। भारत को निर्यात (परिशिष्ट 2), भारत को निर्यातों संबंधी बिक्री कीमत ढांचा (परिशिष्ट 4), भारत से इतर अन्य देशों को निर्यात संबंधी बिक्री कीमत ढांचा (परिशिष्ट 6), भारत को निर्यात की फैक्ट्री लागत तथा लाभ (परिशिष्ट 8) और भारत से इतर देशों को निर्यात

1217 45/2005-3

की फैक्ट्री लागत तथा लाभ संबंधी जानकारी प्रदान की गई। प्रारंभिक जांच-परिणामों की अधिसूचना के बाद इस निर्यातक ने प्रारंभिक जांच-परिणामों में निर्धारित निर्यात कीमत के आधार पर कीमत वचन की ऑफर की। जांच के पुनः आरंभ होने के पश्चात इस निर्यातक ने कोई अन्य जानकारी प्रदान नहीं की है।

22. प्राधिकारी नोट करता है कि मै0 सिना केमिकल्स, ईरान द्वारा दावा की गई निर्यात कीमत के समर्थन में दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया और ऐसा ही निर्यात कीमत से दावे किए गए समायोजना के संबंध में किया गया। प्राधिकारी यह भी नोट करता है कि इस निर्यातक ने कीमत-वचन ऑफर कर प्रारंभिक जांच-परिणामों में निर्धारित निर्यात-कीमत को उलझन के कारण स्वीकार कर लिया था (जिसे बाद में प्राधिकारी द्वारा स्वीकार कर लिया गया)। प्रारंभिक जांच-परिणामों में निर्यात कीमत तथा अपनाई गई पद्धति अगले पैराग्राफ में दी जा रही है।

23. मै0 सिना केमिकल्स ने जांच अवधि के दौरान भारत को अस्थिर हेक्सामाइन की 180 मी.टन मात्रा का निर्यात *** अम.डा./मी.टन अथवा *** रु./मी.टन की भारित औसत सीआईएफ कीमत पर किया। निर्यातक द्वारा दावे किए गए समायोजनों के अनुसार कारखानागत निर्यात कीमत का निर्धारण *** अम.डा./मी.टन के पैकिंग प्रभारों, *** अम.डा./मी.टन पर अंतर्देशीय भाड़े, *** अम.डा./मी.टन पर बीमा, *** अम.डा./मी.टन भंडारण लागत और *** अम.डा./मी.टन (औसत) एफओबी और *** अम.डा./मी.टन समुद्री भाड़ा, *** अम.डा./मी.टन विदेशी वीणा, *** अम.डा./मी.टन एफओबी के पश्चात क्लियरेंस तथा सुपुर्दगी से पहले *** अम.डा./मी.टन सुपुर्दगी प्रभारों को ध्यान में रखते हुए किया गया है ताकि निर्यातक द्वारा दावे किए गए समायोजनों के कारण कुल लागत *** अम.डा./मी.टन पर निर्धारित की जा सके। इनके प्रति समायोजन किए जाने के बाद कारखानागत एफओबी निर्यात कीमत *** अम.डा./मी.टन अथवा *** रु./मी.टन बैठती है जो 48.02 रु. = 1 अमरीकी डालर की औसत विनिमय दर पर आधारित है।

च.3 पाटन मार्जिन

24. *** अम.डा./मी.टन पर निर्धारित सामान्य मूल्य तथा *** अम.डा./मी.टन पर कारखानागत निर्यात कीमत को देखते हुए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन *** अम.डा./मी.टन आता है (जो निर्यात कीमत का 43.91% है)।

छ. क्षति और कारणात्मक संबंध

25. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II में निर्धारित क्षति निर्धारण संबंधी सिद्धांतों में यह प्रावधान है कि:-

- i. क्षति के निर्धारण में इन दोनों उद्देश्यों की जांच शामिल होगी (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पादों के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव; और (ख) पाटित आयातों के मात्रा प्रभाव के संबंध में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों का परिणामी प्रभाव ।
- ii. पाटित आयातों की मात्रा की जांच के समय प्राधिकारी इस बात पर विचार करेगा कि क्या पाटित आयातों में वृद्धि काफी हुई है चाहे वह संपूर्ण रूप में हो अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत से संबंधित हो । नियम 19 के उप नियम (2) में यथासंदर्भित पाटित आयातों के कीमतों पर प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात पर विचार करेगा कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा काफी कीमत कटौती की गई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव के कारण कीमतों में काफी सीमा तक अन्यथा मंदी आई है अथवा इनसे कीमत वृद्धि में रूकावट आई है जो अन्यथा काफी सीमा तक बढ़ गई होती । भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच के लिए प्राधिकारी ने उन अनुसूचितयों पर विचार किया है जिनका उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध II(iv) के अनुसार उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री वसूली, पाटन की मात्रा तथा मार्जिन, आदि के रूप में उद्योग की स्थिति से संबंध होता है ।

पाटित आयातों की मात्रा तथा बाजार हिस्सा

विवरण	यूनिट	1999-2000	2000-2001	अप्रैल 01- जून, 02	जांच अवधि वार्षिकीकृत
आयात					
संबद्ध देश	मी.टन	0.00	120.00	180.00	144.00
अन्य देश	मी.टन	102.00	782.56	404.00	323.20
कुल आयात	मी.टन	102.00	862.56	584.00	467.20
पाटित आयातों की मात्रा तथा बाजार हिस्सा					
आयातों का हिस्सा	यूनिट	1999-2000	2000-2001	अप्रैल 01- जून, 02	जांच अवधि वार्षिकीकृत
संबद्ध देश का हिस्सा	%	0.00	9.27	30.82	30.82
अन्य देश	%	100.00	90.73	69.18	69.18
योग		100.00	100.00	100.00	100.00

26. संबद्ध देश से आयातों में जांच-अवधि के दौरान समग्र रूप में वृद्धि हुई । इसमें जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन की तुलना में भी वृद्धि हुई है । आयातों में बाजार हिस्से की दृष्टि से यह हिस्सा 9.27% से जांच-अवधि के दौरान बढ़कर 30.82% हो गया । अन्य देशों का बाजार हिस्सा 100% से जांच-अवधि के दौरान 69.18% रह गया ।

मांग में बाजार हिस्सा

विवरण	यूनिट	1999-2000	2000-2001	अप्रैल 01- जून, 02	जांच अवधि वार्षिकीकृत
मांग					
आयात	मी. टन	102	862.56	584	467.2
याचिकाकर्ता की बिक्री	मी. टन	***	***	***	***
याचिकाकर्ता की बिक्री सूचीकृत		100	77		63
सिमालिन	मी. टन	***	***	***	***
रॉकहार्ड	मी. टन	***	***	***	***
न्यूटन	मी. टन	***	***	***	***
अन्य उत्पादकों का योग	मी. टन	***	***	***	***
अन्य उत्पादकों का योग सूचीकृत		100	72		96
कुल मांग	मी. टन	***	***	***	***
कुल मांग सूचीकृत		100	84		86
मांग में हिस्सा					
संबद्ध देश से आयात	%	0	1.17	2.06	2.06
अन्य देश	%	1.25	11.44	4.62	4.62
याचिकाकर्ता	%	45.34	41.78	33.59	33.59
अन्य उत्पादक	%	53.41	45.61	59.73	59.73
योग	%	100	100	100	100

27. मांग में गिरावट का रुख दर्शाया गया है। वर्ष 1999-2000 में 100 के आधार पर यह जांच अवधि के दौरान घटकर 86 हो गई। घरेलू उद्योग की मांग में हिस्सा जो वर्ष 1999-2000 के दौरान 45.34 % रहा था, जांच अवधि के दौरान घटकर 33.59% रह गया। संबद्ध देश का हिस्सा जो वर्ष 1999-2000 में 0% रहा था, जांच अवधि के दौरान बढ़कर 2.06% हो गया। घरेलू उद्योग की बिक्री वर्ष 1999-2000 के 100 के आधार से घटकर जांच-अवधि के दौरान 63 रह गया।

बिक्रियों में वास्तविक तथा संभाव्य गिरावट

	यूनिट	1999-2000	2000-2001	अप्रैल 01- जून, 02	जांच अवधि वार्षिकीकृत
घरेलू बिक्रियां	मी.टन	***	***	***	***
निर्यात बिक्रियां	मी.टन	***	***	***	***
योग		***	***	***	***
सूचीकृत					
घरेलू बिक्रियां		100	77	79	63
निर्यात बिक्रियां		100	86	43	34
योग		100	78	78	62

28. निर्यात बिक्रियों का घरेलू उद्योग की कुल बिक्री में महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। कुल घरेलू बिक्रियां वर्ष 1999-2000 के 100 के आधार से तीव्रता से घटकर जांच-अवधि के दौरान 62 रह गई। घरेलू बिक्रियों का कुल बिक्री में बल्क भाग होता है। तदनुसार यह वर्ष 1999-2000 के 100 की तुलना में जांच-अवधि के दौरान घटकर 63 रह गई।

उत्पादन तथा क्षमता उपयोग

	यूनिट	1999-2000	2000-2001	अप्रैल 01- जून, 02	जांच अवधि वार्षिकीकृत
प्रतिस्थापित क्षमता	मी.टन	***	***	***	***
उत्पादन	मी.टन	***	***	***	***
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
सूचीकृत					
उत्पादन		100	80	75	60
क्षमता उपयोग		100	80	60	60

29. क्षमता उपयोग जांच अवधि के दौरान वही रही जो वर्ष 1999-2000 के दौरान रही थी। उत्पादन वर्ष 1999-2000 के 100 के आधार से तीव्रता से घटकर जांच-अवधि के दौरान 60 रह गया।

कीमत कटौती

30. प्राधिकारी ने आयातों के भारित लैंडेड की तुलना जांच-अवधि के लिए घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री कीमत से की है। निर्यात की लैंडेड कीमत का निर्धारण आयातों की सीआईएफ निर्यात कीमत के साथ लैंडिंग प्रभार तथा सीमा-शुल्क राशि के सम्मिश्रणों द्वारा किया जाता है। घरेलू उद्योग की कीमत कटौती लैंडेड मूल्य और निवल

12175572005-4

बिक्री कीमत में अंतर काफी पाया गया है और यह घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत के 6-16% के बीच रहा।

कम कीमत पर बिक्री

31. कम कीमत पर बिक्री का होना क्षति के आकलन का एक महत्वपूर्ण संकेतक होता है। घरेलू उद्योग की अक्षतिकारी कीमत की गणना जांच अवधि के लिए समान उत्पाद के संबंध में उत्पादन लागत पर समुचित रूप से विचार करके की गई है। अदक्षता को समाप्त किए जाने के उद्देश्य से क्षमता उपयोग का मानकीकरण किया गया है। आंकड़ों के मूल्यांकन से यह दर्शाया जाता है कि संबद्ध देश के हेक्सामाइन का भारित औसत लैंडेड मूल्य लांच-अवधि के लिए घरेलू उद्योग के संबंध में निर्धारित अक्षतिकारी कीमत से कम है। इस मामले में पाटित आयातों द्वारा काफी कीमत कटौती की गई है। अतः इन आयातों के फलस्वरूप समान उत्पाद की कीमत में मंदी आ गई और उसके परिणामस्वरूप पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को अपने उत्पाद कम कीमत पर बेचने को बाध्य होना पड़ा। घरेलू उद्योग के समान उत्पाद की अक्षतिकारी कीमत से संबद्ध देश के लैंडेड मूल्य से तुलना कर निर्धारित कम बिक्री कीमत का निर्धारण किया गया है। यह पाया गया कि संबद्ध देश से होने वाले आयातों के भारित लैंडेड मूल्य से समान उत्पाद की अक्षतिकारी कीमत पर कम बिक्री की गई। जांच अवधि के दौरान कम बिक्री मार्जिन जांच अवधि के दौरान 13-23% के बीच रहा।

घरेलू कीमत को कुप्रभावित करने वाले कारक

32. प्राधिकारी ने नोट किया कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों का संबंध संबद्ध देश के संबद्ध माल की कच्चे माल की लागत तथा कीमतों से जोड़ा जाता है। प्राधिकारी ने पाया कि उत्पादन लागत वर्ष 1999-2000 की तुलना में जांच अवधि के दौरान बढ़ गई लेकिन घरेलू उद्योग उत्पादन लागत के अनुरूप समान उत्पाद की कीमतों में वृद्धि नहीं कर सका। यह भी नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत संबद्ध देश से होने वाले पाटित आयातों के कारण दबाव में बनी रही और वह कीमतों में पाटित आयातों के अपेक्षतया कम लैंडेड मूल्य के कारण वृद्धि नहीं कर सका।

पाटन मार्जिन की मात्रा

33. प्राधिकारी ने पाया कि संबद्ध देश से संबद्ध माल के पाटन मार्जिन की मात्रा काफी है। पाटन मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने कारखानागत निर्यात कीमत का निर्धारण निर्यातक द्वारा यथा दावा किए अनुसार समायोजना करने के बाद किया है। सामान्य मूल्य की गणना यथोचित लाभ मार्जिन के साथ घरेलू उद्योग के कच्चे माल की अंतर्राष्ट्रीय कीमत, बिक्री, प्रशासनिक तथा सामान्य खर्चों को जोड़कर उपलब्ध तथ्यों के आधार पर की गई है।

गंवाई गई संविदाओं का साक्ष्य

34. घरेलू उद्योग द्वारा संविदाओं की हानि के संबंध में कोई साक्ष्य प्रदान नहीं किया गया है।

मालसूची

	यूनिट	1999-2000	2000-2001	अप्रैल 01- जून, 02	जांच अवधि वार्षिकीकृत
प्रारंभिक स्टॉक	मी.टन	***	***	***	***
अंतिम स्टॉक	मी.टन	***	***	***	***
औसत स्टॉक	मी.टन	***	***	***	***
प्रतिदिन उत्पादन	मी.टन	***	***	***	***
स्टॉक में उत्पादन के दिनों की संख्या	संख्या	***	***	***	***
दिनों की संख्या सूचीकृत		100	200	180	180

35. उत्पादन के दिनों की संख्या के बराबर मापी गई माल सूची वर्ष 1999-2000 से जांच अवधि में दुगुनी हो गई। माल सूची में यह वृद्धि उसी अवधि के दौरान उत्पादन में गिरावट के बावजूद हुई है।

पूंजी निवेश पर आय और पूंजी लगाने की सामर्थ्य

	यूनिट	1999-2000	2000-2001	अप्रैल 01- जून, 02	जांच अवधि वार्षिकीकृत
सकल निर्धारित परिसंपत्तियां - उत्पादों से संबंधित	लाख रु.	***	***	***	***
कार्यशील पूंजी - उत्पादों से संबंधित	लाख रु.	***	***	***	***
लगाई गई पूंजी	लाख रु.	***	***	***	***
उत्पाद से कुल लाभ	लाख रु.	***	***	***	***
लगाई गई पूंजी पर आय	%	***	***	***	***
आरओआई सूचीकृत		100	-189	-165	-165

36. लगाई गई पूंजी पर आय वर्ष 1999-2000 में सकारात्मक रही थी और यह जांच अवधि के दौरान नकारात्मक हो गई। वर्ष 1999-2000 के 100 के आधार से यह जांच अवधि के दौरान नकारात्मक 165 हो गई। प्राप्त आय की दर के निर्धारण के लिए लगाई गई कुल पूंजी को सकल निर्धारित परिसंपत्ति और संबंधित उत्पाद पर लगाई गई कार्यशील पूंजी के रूप में माना गया है।

लाभप्रदता

	यूनिट	1999-2000	2000-2001	अप्रैल 01- जून, 02	जांच अवधि वार्षिकीकृत
उत्पादन की औसत लागत	रू./मी.टन	***	***	***	***
औसत बिक्री कीमत	रू./मी.टन	***	***	***	***
लाभ/हानि	रू./मी.टन	***	***	***	***
सूचीकृत					
उत्पादन की औसत लागत		100	146	125	125
औसत बिक्री कीमत		100	125	106	106
लाभ/हानि		100	-219	-197	-197

37. समान उत्पाद की औसत उत्पादन लागत वर्ष 1999-2000 के 100 के आधार से जांच अवधि के दौरान बढ़कर 125 हो गई लेकिन औसत बिक्री कीमत उसी अवधि के दौरान बढ़कर केवल 106 हुई। इससे पाटित आयातों के दबाव के कारण समान उत्पाद की बिक्री में मुश्किल से वृद्धि हुई। उसके परिणामस्वरूप वर्ष 1999-2000 की सकारात्मक आय की स्थिति से लाभप्रदता जांच अवधि के दौरान तीव्रता से नकारात्मक हो गई।

रोजगार

	यूनिट	1999-2000	2000-2001	अप्रैल 01- जून, 02	जांच अवधि वार्षिकीकृत
रोजगार (कर्मचारियों की संख्या)	संख्या	***	***	***	***
सूचीकृत		100	100	100	100

38. रोजगार में कोई परिवर्तन नहीं हुआ और यह वर्ष 1999-2000 से लेकर जांच अवधि तक एक समान रहा।

उत्पादकता

	यूनिट	1999-2000	2000-2001	अप्रैल 01- जून, 02	जांच अवधि वार्षिकीकृत
उत्पादकता(प्रति कर्मचारी उत्पादन)	मी.टन	***	***	***	***
सूचीकृत		100	80	75	75

39. कर्मचारियों की संख्या में वर्ष 1999-2000 से जांच-अवधि तक कोई परिवर्तन नहीं आया लेकिन समान उत्पाद का उत्पादन वर्ष 1999-2000 के 100 के आधार से घटकर जांच अवधि के दौरान 66 रह गया। इसके परिणामस्वरूप प्रति कर्मचारी उत्पादकता वर्ष 1999-2000 के 100 के आधार से घटकर जांच अवधि के दौरान 75 रह गई।

वेतन तथा मजदूरी

	यूनिट	1999-2000	2000-2001	अप्रैल 01- जून, 02	जांच अवधि वार्षिकीकृत
वेतन तथा मजदूरी	रु. प्रति कर्मचारी	***	***	***	***
मजदूरी सूचीकृत		100	107	116	116

40. रोजगार संबंधी नियमावली के कारण वेतन तथा मजदूरी में वर्ष 1999-2000 की तुलना में जांच अवधि में वृद्धि हो गई। कर्मचारियों की संख्या में वर्ष 1999-2000 से जांच अवधि तक कोई परिवर्तन नहीं आया लेकिन वेतन तथा मजदूरी वर्ष 1999-2000 की 100 के आधार से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 116 हो गई।

नकद प्रवाह

	यूनिट	1999-2000	2000-2001	अप्रैल 01- जून, 02	जांच अवधि वार्षिकीकृत
नकद प्रवाह (संपूर्ण यूनिट)	लाख रु.	***	***	***	***
सूचीकृत		100	68.15	60.37	60.37

41. घरेलू उद्योग एक बहु-उत्पाद कंपनी है जो अन्य उत्पादों के उत्पादन में भी कार्यरत है। घरेलू उद्योग का नकद प्रवाह संपूर्ण यूनिट से संबंधित प्रचालन का परिचायक है।

1217 47/2005-5

क्षति के संबंध में निष्कर्ष

42. क्षतिकारकों की जांच किए जाने पर प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में निम्नलिखित निष्कर्ष दिए जाते हैं-

- (क) संबद्ध देश से आयातों में जांच अवधि के दौरान समग्र रूप में वृद्धि हुई ।
- (ख) घरेलू उद्योग की बिक्रियों में जांच-अवधि के दौरान गिरावट आई ।
- (ग) संबद्ध देश से होने वाले आयात के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कटौती हुई ।
- (घ) संबद्ध देश से किए गए आयातों के कारण घरेलू उद्योग की अक्षतिकारी कीमत की काफ़ कम दाम पर बिक्री हुई ।
- (ङ.) घरेलू उद्योग की लाभप्रदता जांच अवधि के दौरान नकारात्मक हो गई जोकि वर्ष 1999-2000 में सकारात्मक रही थी ।
- (च) घरेलू उद्योग कीमत दबाव का सामना कर रहा है क्योंकि संबद्ध माल की उत्पादन लागत में वृद्धि हुई जबकि घरेलू उद्योग बिक्री कीमत में उत्पादन लागत के अनुरूप वृद्धि नहीं कर सका ।
- (छ) लगाई गई पूंजी पर आय जांच अवधि के दौरान तेजी से नकारात्मक हो गई जबकि वर्ष 1999-2000 में यह सकारात्मक रही थी ।
- (ज) घरेलू उद्योग के उत्पादन में जांच अवधि के दौरान गिरावट आ गई ।
- (झ) उत्पादन में गिरावट के बावजूद घरेलू उद्योग की मालसूची में जांच-अवधि के दौरान वृद्धि हो गई ।

कारणात्मक संबंध तथा अन्य कारक

43. प्राधिकारी ने कारणात्मक संबंध के मुद्दे के बारे में इच्छुक पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों की जांच की है । प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति और घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति तथा पाटित आयातों के बीच कारणात्मक संबंध के मुद्दे के बारे में एक विस्तृत जांच की गई । पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II के पैराग्राफ 5 को नीचे उद्धृत किया जा रहा है -

" यह अवश्य प्रदर्शित किया जाना चाहिए कि पाटित आयातों की वजह से पैराग्राफ (ii) तथा (iv) में यथानिर्धारित पाटन के प्रभावों द्वारा घरेलू उद्योग को वास्तविक हानि हो रही है । पाटित आयातों तथा घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति के बीच कारणात्मक संबंधों का परिलक्षण निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत संगत साक्ष्य की जांच पर आधारित होगा । निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटित आयातों से इतर किसी ज्ञात कारकों की जांच भी करेगा जिसके कारण घरेलू उद्योग को हानि हो रही हो और इन अन्य कारकों द्वारा होने वाली हानि का कारण पाटित आयातों को नहीं ठहराया जाना चाहिए । इस संबंध में संगत कारकों में अन्य बातों के साथ-साथ शामिल हैं - पाटित

कीमतों पर नहीं बेचे गए आयातों की मात्रा तथा कीमतें, मांग में कमी अथवा खपत के पैटर्न में बदलाव, व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियाँ और विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी में विकास और घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन तथा उत्पादकता ।'

44. प्राधिकारी नोट करता है कि संबद्ध देश से होने वाले आयातों का हिस्सा जांच अवधि के दौरान बढ़ गया था और उसी अवधि के दौरान अन्य देशों से होने वाले आयातों में गिरावट आ गई । उत्पाद की कुल मांग में जांच अवधि के दौरान गिरावट आ गई लेकिन संबद्ध देश के बाजार हिस्से में वृद्धि हो गई और उसने लगभग 2.06% हिस्से पर कब्जा कर लिया जबकि अन्य देशों का बाजार हिस्सा जो वर्ष 2000-01 में 11.44% रहा था, जांच अवधि के दौरान घटकर 4.62% रह गया और याचिकाकर्ता का बाजार हिस्सा जो वर्ष 1999-2000 में 45.34% रहा था, जांच अवधि के दौरान घटकर 33.59% रह गया ।

45. पाटित आयातों के कारण कीमत कटौती हुई जो घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत के 6-16% के बीच रही । पाटित आयातों से कीमत में दबाव भी आ गया क्योंकि घरेलू उद्योग इस उत्पाद की कीमत में उत्पादन लागत में वृद्धि के अनुरूप वृद्धि नहीं कर सका । पाटित आयातों के फलस्वरूप न केवल कीमत कटौती हुई बल्कि इनसे घरेलू उद्योग अक्षतिकारी कीमत से कम कीमत पर बिक्री कर सका जो 13-23% के बीच रहा । इसके परिणामस्वरूप जांच अवधि के दौरान प्रति इकाई हानि हुई जबकि यह वर्ष 1999-2000 में लाभ की स्थिति में रहा था ।

46. कीमत कटौती के दबाव और घरेलू उद्योग को होने वाली हानियों की वजह से जांच-अवधि के दौरान उत्पादन में गिरावट और क्षमता उपयोग में गिरावट आई गई जिसके फलस्वरूप उत्पादकता तथा नकद प्रवाह पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा और उससे लगाई गई पूंजी पर आय जांच अवधि के दौरान नकारात्मक हो गई जबकि वर्ष 1999-2000 में यह सकारात्मक रही थी ।

47. प्राधिकारी के संज्ञान में ऐसा कोई अन्य कारक नहीं आया जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो ।

भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

48. पाटनरोधी शुल्कों का प्रयोजन सामान्य रूप में पाटन को समाप्त करना होता है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो रही हो और भारतीय बाजार में मुक्त एवं खुली प्रतिस्पर्धा की स्थिति को पुनः स्थापित करना है जो देश के सामान्य हित में आवश्यक है ।

49. यह बात मान्य है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के परिणामस्वरूप संबद्ध माल के प्रयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और उसके परिणामस्वरूप इन उत्पादों के संबंधित प्रतिस्पर्धा कुछ सीमा तक प्रभावित होती है । किंतु भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा को पाटनरोधी उपायों द्वारा कम नहीं किया जाएगा विशेष रूप से यदि पाटनरोधी शुल्क की लेवी को एक ऐसी राशि तक सीमित रखा जाता है जो घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति के

समाधान के लिए आवश्यक हो । इसके विपरीत, पाटनरोधी उपायों से पाटन पद्धतियों द्वारा उठाए गए अनुचित लाभ को समाप्त किया जा सकेगा, इनसे घरेलू उद्योग में आने वाली गिरावट को रोका जा सकेगा और हेक्सामाइन के उपभोक्ताओं को व्यापक चयन की उपलब्धता कायम रखने में सहायता मिल सकेगी । पाटनरोधी उपायों का भार डालने के फलस्वरूप संबद्ध देशों से होने वाले आयातों पर किसी भी तरह रोक नहीं लगाई जा सकेगी । अतः इनके परिणामस्वरूप उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

निष्कर्ष

50. उपर्युक्त पर विचार किए जाने के बाद यह देखा जाता है कि -

- क) ईरान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित हेक्सामाइन का भारत को निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ;
- ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;
- ग) यह क्षति संबद्ध देश से किए गए आयात के कारण हुई है ।

51. यह निर्णय लिया गया है कि पाटन मार्जिन के बराबर की राशि के पाटनरोधी शुल्क, यदि लगाया गया, की सिफारिश की जाती है जिसके फलस्वरूप घरेलू उद्योग को रही क्षति समाप्त की जा सकेगी । तदनुसार, यह प्रस्ताव है कि सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 और आईटीसी सं० 2921.2901 के तहत आने वाले, ईरान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित हेक्सामाइन पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी अधिसूचना की तारीख से निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए । यह पाटनरोधी शुल्क नीचे दी गई तालिका के कॉलम 3 में उल्लिखित राशि होगी:-

देश 1.	उत्पादक/निर्यातक का नाम 2.	राशि (अम.डा./मी.टन) 3.
ईरान	(क) मै० सिना केमिकल्स	
	(ख) अन्य सभी उत्पादक/निर्यातक	

52 इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क टैरिफ, अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3 क, 8 ख, 9, 9 क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1962 और सीमाशुल्कों के स्वीकार्य स्तर के अंतर्गत यथानिर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा ।

53 इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम और सीमा टैरिफ नियमों, 1995 के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी ।

डा. क्रिस्टी फेर्नान्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 11th April, 2005

FINAL FINDINGS

Subject: Anti-dumping investigation concerning import of Hexamine originating in or exported from Iran.—

No. 14/35/2002-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof;

A. PROCEDURE

1. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:
 - i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a petition from M/s Kanoria Chemicals and Industries Ltd. (hereinafter referred to as petitioner) on behalf of the domestic industry, alleged dumping of Hexa Methylene Tetramine in market parlance known as Hexamine (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from Iran (hereinafter referred to as subject country).
 - ii) The Authority issued a public notice dated 18th September 2002 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods classified under customs sub-heading No. 2921.2901 of Chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from Iran.
 - iii) The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified preliminary findings vide Notification No. 14/35/2002-DGAD dated the 23rd December 2002 and recommended imposition of anti-

1217 5/7/2005-6

dumping duty with regard to Anti Dumping investigations concerning imports of Hexamine originating in or exported from Iran.

- iv) The Authority forwarded a copy of the Preliminary Findings to known interested parties, who were requested to furnish their views, if any, on the Preliminary Findings within forty days of the date of the letter;
- v) The Authority also forwarded copy of the Preliminary Findings to the Embassies/High Commissions/Representatives of subject country in New Delhi with a request to furnish their views on the Preliminary Findings;
- vi) After notification of Preliminary Findings, the exporter showed its willingness to extend price undertaking in accordance with rules. The exporter also conveyed that after the undertaking is accepted, the investigation should be terminated as there was no other producer of Hexamine in Iran.
- vii) The domestic industry also requested to the Designated Authority to accept the price undertaking being given by the exporter and in consequence thereof suspend the investigation.
- viii) The Authority, in term of Rule 15 of Anti-Dumping Rules, accepted price undertaking from M/s. Sina Chemicals Industry Co. and accordingly no anti-dumping duty was to apply in case of exports of all types of Hexamine by M/s. Sina Chemicals Industry Co. However, in case of any violation in the execution of this undertaking by the exporter, the duties as set out in the preliminary findings was to become applicable, pending specific recommendations by the Authority in this regard.
- ix) On receipt of representation, made on 27.04.04 by the applicant M/s. Kanoria Chemicals and Industries Ltd. Mumbai alleging violation of price undertaking by M/s Sina Chemicals Industry Co. and on examination of information provided by the exported form time to time, in pursuance of Rule 5 of Anti-dumping Rules, the Authority decided to cancel the price undertaking given by M/s. Sina Chemicals Industry Co. and withdrawn the suspension of investigation Order dated 17th September 2003.
- x) Vide notification No. 5/2005-Customs dated 27th January 2005, in pursuance of Preliminary findings No. 14/35/2002-DGAD dated 23rd December 2002 and notification No. 14/35/2002-DGAD dated 15th October 2004 withdrawing the suspension of investigation Order dated 17th September 2003, the Central Government imposed anti-dumping duty on hexamine originating in or exported from Iran.
- xi) The Authority vide Notification No. 14/35/2002-DGAD dated 15th October 2004 re-commenced the investigation suspended vide Order dated 17th September 2003.

- xii) The Authority invited comments on the Preliminary findings dated 23rd December 2002 from all interested parties for which time period of forty days (40) were given.
- xiii) The Authority held an oral hearing on 03.03.2005 to hear the interested parties, which was attended to by the domestic industry only. Representative of exporter, Embassy of Iran or any other interested party did not attend the hearing. The party attending the public hearing was requested to file written submissions of views expressed orally. Designated Authority considered the submissions as such received from interested party in the findings.
- xiv) The Authority has considered all views expressed and submissions made by various interested parties subsequent to the Preliminary Findings.
- xv) The cost of production of the domestic industry was analysed to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) based on the information furnished by petitioner so as to ascertain if anti dumping duty lower than dumping margin would be sufficient to remove injury to domestic industry. The cost of production data of M/s. Kanoria Chemicals and Industries Limited was considered and examined appropriately.
- xvi) The Authority verified the information provided by the domestic industry to the extent considered necessary.
- xvii) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7);
- xviii) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same have also been duly considered in these findings;
- xix) The Authority considered the period of investigation (POI) of fifteen months from 1st April 2001 to 30th June 2002 and injury analysis was carried out for the periods 1999-2000, 2000-01 and April 2001-June 2002.
- xx) *** In the Notification represents information furnished by interested parties on confidential basis and so considered by Authority under the Rules.
- xxi) 'Rules' or 'Anti-dumping Rules' in this notification refers to the Custom Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

2. Hexa Methylene Tetramine is known as Hexamine in market parlance. Hexa Methylene Tetramine is a white crystalline powder with a sweet metallic taste. In the pure form, it is colourless and odourless. It crystallizes in rhombic dodecahedrons. Hexa Methylene Tetramine compound is also known as Ammoform, Methenamine, Cystamine, Cystogen, Urotropine. It is classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975 and ITC no. 2921.2901.

3. The most important industrial use of Hexamine is for the manufacture of solid phenolic resins. The other important use is for the manufacture of a high explosive cyclonite. Hexamine being anti-bacterial in action is used as a urinary antiseptic. It is also used for-

- Adhesives
- Coatings
- Sealing compounds
- In the preservation of hides
- As a rubber vulcanization accelerator
- As a corrosion inhibitor for steel
- Dye fixative
- Fuel tablet for camping stoves
- Stabiliser for lubricating and insulating oils

C. Like Product

4. In order to establish that Hexamine produced by the domestic industry is a Like Article to that exported from Iran, characteristics such as technical specifications, manufacturing process, functions and uses and tariff classification have been considered by the Authority.

5. The Authority finds that there is no argument either before or after notification of the Preliminary Findings dated 23rd December 2002, disputing that Hexamine produced by the domestic industry has characteristics closely resembling the imported material and is substitutable by Hexamine imported from the subject country both commercially and technically. Hexamine produced by the domestic industry has been treated as Like Article to the product exported from Iran within the meaning of Rule 2(d).

D. DOMESTIC INDUSTRY

6. The petition has been filed by M/s Kanoria Chemicals & Industries Ltd., Mumbai alleging dumping of Hexamine originating in or exported from Iran. There are four producers of subject goods in India. Other three producers have supported the petitioner. The production of Hexamine by the various producers are as under:-

	1998-99	1999-2000	2000-2001	Apr. 2001-June 2002
Petitioner				
Kanoria	***	***	***	***
Other producers				
Simalin	***	***	***	***
Rockhard	***	***	***	***
Newton	***	***	***	***
Total Indian production	***	***	***	***

7. The Authority notes that no interested party had raised any issue disputing claim of the applicant about its right to file the application in terms of Rule 5 of the Anti-Dumping Rules.

8. After examination of the production details of the Indian Manufacturers, the Authority came to conclusion that the applicant account for 35.62 % of the total production of the Indian Industries during the period of investigation and all the other three producers have supported the application. There is no opposition to the applicant's application. In view of the aforesaid, the Authority finds that the applicant constitutes the domestic industry and has required standing to file the application in terms of Rule 5.

E. OTHER ISSUES

Violation of Price undertaking

9. After notification of the Preliminary Findings on 23rd December 2002, the exporter M/s. Sina Chemicals Industry Co. approached the Designated Authority and offered price undertaking on the following lines :

- (a) M/s. Sina Chemicals Industry Co. agrees not to sale the subject goods to any importers in India at prices lower than CIF Indian Customs Frontier, Basic Customs Duty paid price of US \$ 700. This price is based on the average methanol price of USD 140 per MT during the period of investigation . In case of any variation in the price of Methanol, the price will be changed as per following formula :

Changes in the prices of Methanol, the principal raw material, by more than USD 10 per MT as compared to previous quarter shall be appropriately reflected in the price of Hexamine. For the purpose, it shall be considered that with each USD change in the prices of Methanol, price of Hexamine should change by USD 1.65 per MT. The changes in the prices of Hexamine would be effected on quarterly basis.

- (b) The first such revision would be done in the month of March, 2003 for shipments, which would be effective for period April-June 2003.

121797/2005-7

- (c) The change in price of Methanol shall be considered on the basis of average prices during the quarter mentioned in ICIS-LOR, as applicable for West Asia region.

10. The price undertaking was accepted by the authority vide notification of even No. dated 17th September 2003.

11. The applicant M/s. Kanoria Chemicals and Industries Limited filed a representation on 27th April 2004 alleging violation of price undertaking by M/s. Sina Chemicals Industry Co. The applicant given specific instances of violations wherein export made during March 2004 was exported at unit rate of USD 640 whereas export price as per price undertaking should have been 698.83 USD. Similarly, shipment made in April 2004 was made at unit price of USD 655 whereas it should have been made at price not less than USD 760.71.

12. The exporter had also not fulfilled the requirement of price undertaking as exporter failed to send revised/ amended Appendix A for new quarters as per price undertaking.

13. After re-commencement of the initiation vide notification dated 15th October 2004, the exporter was given opportunity to offer comments on the Preliminary Findings. The exporter did not respond on the merit of the case and stated that '*...we have replied, done all said formalities and signed the format of Hexamine price undertaking on 19th August 2003 and from that time as promised, if there has been any export activity within Indian territory, a copy of P/I has been sent directly to that esteemed Ministry of Commerce for ready reference*'. The exporter further stated that '*for your information it is around a year that we have suspended exporting to India and at these circumstances there remains no interest for us to continue business there*'.

14. The increase in prices of Methanol should have been reflected in prices of Hexamine in accordance with formula given in appendix B of price undertaking, as following :

S. No.	Quarter	Average Price of Methanol		Increase in Methanol Price from base of US \$ 140	Impact on Hexamine considering 1.65 factor	Undertaking price		Should be price CIF Indian port	Should be price-basic Cust.duty paid.	Actual CIF export price
		Quarter	Avg. price US \$			Inland price basis	CIF basis			
1	Oct.-Dec. 03	Jul.-Sept03	218	78	128.70	700	560.00	688.70	860.88	640
2	Jan.-Mar04	Oct.-Dec.03	224	84	138.60	700	583.33	721.93	902.42	640
3	Apr.-Jun04	Jan.-Mar04	269	129	212.85	700	583.33	796.18	995.23	655
4	Jul-Sep 04	Apr.-Jun04	266	126	208.15	700	583.33	791.49	989.36	655

5	Oct.-Dec 04	Jul-Sep 04	242	102	168.99	700	583.33	752.32	940.40	655
6	Jan.-Mar05	Oct.-Dec04	272	132	217.93	700	583.33	801.26	1001.58	655

15. It is evident from above that the exporter had been exporting Hexamine at prices well below the bench-mark price as calculated in accordance with the formula agreed to by the exporter in the price undertaking.

16. The exporter has not responded to issue of violation of price undertaking and instead stated that he was not exporting Hexamine into India. Bill of entries of imports clearly indicates that the exporter had been exporting subject goods to India. The Authority, therefore, unable to accept version of the exporter that no export was being made to India after signing the price undertaking and concludes that the exporter had been exporting Hexamine to India in violation of agreement contained in price undertaking.

F. METHODOLOGY FOR CALCULATION OF DUMPING MARGIN

F 1. NORMAL VALUE

17. The Authority notes that exporter had not provided information and data in the relevant appendix of questionnaires regarding domestic sales, before notification of Preliminary Findings.

18. The Authority provided further opportunity to the exporter to give required data after notification of the Preliminary Findings and subsequently on recommencement of the investigations on 15th October 2004. The exporter did not respond to the questionnaires.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

19. The Authority notes that since data and information on domestic sale has not been submitted, a determination of normal value as per provisions contained in Section 9 A (I) (c)(i) and (ii) read with sub-rule 2(i) and (ii) of Annexure 1 of the Anti-Dumping Rules cannot be made and is constrained to determine normal value on the basis of 'facts available' as per Rule 6 (8).

20. The constructed cost of the subject goods has been determined on the basis of the information available on the estimated-cost of production in the country of origin plus selling, administrative and general expenses and a reasonable amount of profit after making reasonable adjustments for working out the Normal Value of the subject goods in Iran which is therefore considered to be USD ***/MT or Rs. ***/MT at an average exchange rate during POI of 1USD= Rs. 48.02.

F 2 EXPORT PRICE

21. Before notification of Preliminary Findings M/s. Sina Chemicals has sent only few pages of the questionnaires and stated that they would provide the Authority with the other required information as soon as possible. Information relating to exports to India (Appendix 2), Sales price structure for exports to India (Appendix 4), Sales price structure for exports to countries other than India (Appendix 6), Factory cost and profit of exports to India (Appendix 8) and Factory cost and profit of exports to countries other than India (Appendix 10) had been provided. After the notification of Preliminary Findings, the exporter offered price undertaking on the basis of export price determined in the Preliminary Findings. After recommencement of investigation, the exporter has not provided any further information.

22. The Authority notes that the export price claimed by M/s Sina Chemicals, Iran, was not supported with documentary evidence which was also lacking in respect of the adjustments claimed from the export price. The Authority also notes that the exporter had accepted, by implication, the export price determined in the Preliminary Findings by offering price undertaking (which was later on accepted by the Authority). The Authority, therefore, relies on the methodology adopted and export price determined during Preliminary Findings. The export price and methodology adopted, in the Preliminary Findings, are given in the following paragraph.

23. M/s Sina Chemicals had exported a quantity of 180 MT of Unstabilised Hexamine to India during the period of investigations at a weighted average cif price of USD ***/MT or Rs ***/MT. As per adjustments claimed by the exporter, the ex-factory export price has been determined after taking packing charges at USD ***/MT, inland freight at USD ***/MT, insurance at USD ***/MT, storage cost at USD ***/MT and handling charged at USD ***/MT before fob and USD ***/MT (ave.) as ocean freight, USD ***/MT as overseas insurance, USD ***/MT for clearance and handling after fob thereby bring the total cost on account of adjustments claimed by the export to USD ***/MT. After adjustments on these accounts the ex-factory fob export price is USD ***/MT or Rs ***/MT at an average exchange rate of Rs 48.02 = 1USD.

F 3 DUMPING MARGIN

24. Considering the constructed normal value at USD ***/MT and the ex-works export price at USD ***/MT, the dumping margin determined by the Authority comes to USD ***/MT (which is 43.91 % of export price).

G. INJURY AND CAUSAL LINK:

25. The principles for determination of injury set out in Annexure-II of the Anti-Dumping Rules lay down that:

- i. A determination of injury shall involve an objective examination of both (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in

the domestic market for like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products.

- ii. While examination the volume of dumped imports, the said Authority shall consider whether there has been a significant increase in the dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of Rule 19 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price under-cutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II(iv) of the rules supra.

Volume and Market Share in Dumped imports

Particulars	Unit	1999-2000	2000-2001	April'01-June'02	Investigation period annualised
Imports					
Subject Country	MT	0.00	120.00	180.00	144.00
Other Countries	MT	102.00	782.56	404.00	323.20
Total Imports	MT	102.00	862.56	584.00	467.20
Volume and Market Share in Dumped imports					
Share of Imports	Unit	1999-2000	2000-2001	April'01-June'02	Investigation period annualised
Share of Subject Country	%	0.00	9.27	30.82	30.82
Other Countries	%	100.00	90.73	69.18	69.18
Total		100.00	100.00	100.00	100.00

26. The imports from subject country increased in absolute term during POI. It has also increased in comparison to production of domestic industry during POI. In terms of market share in imports, the share has increased from 9.27% to 30.82% during POI. The market share from other countries has decreased from 100% to 69.18% during the POI.

121795/2005-8

Market Share in Demand

	Unit	1999-2000	2000-2001	April'01-June'02	Investigation period annualised
Demand					
Imports	MT	102	862.56	584	467.2
Sales of petitioner	MT	***	***	***	***
Sales of petitioner indexed		100	77		63
Simalin	MT	***	***	***	***
Rockhard	MT	***	***	***	***
Newton	MT	***	***	***	***
Total of Other Producers	MT	***	***	***	***
Total of Other Producers Indexed		100	72		96
Total Demand	MT	***	***	***	***
Total Demand indexed		100	84		86
Share in Demand					
Imports from Subject Country	%	0	1.17	2.06	2.06
Other Country	%	1.25	11.44	4.62	4.62
Petitioner	%	45.34	41.78	33.59	33.59
Other Producers	%	53.41	45.61	59.73	59.73
Total	%	100	100	100	100

27. Demand has shown declining trend. On the basis of 100 in 1999-2000 it declined to 86 during POI. Share in Demand of the domestic industry had declined from 45.34 % in 1999-2000 to 33.59 % during POI. The subject country captured share of 2.06 % during POI from 0 % in 1999-2000. Sales of domestic industry declined to 63 during POI from base of 100 in 1999-2000.

Actual and Potential Decline in sales.

	Unit	1999-2000	2000-2001	April'01-June'02	Investigation period annualised
Domestic Sales	MT	***	***	***	***
Export Sales	MT	***	***	***	***
Total		***	***	***	***

Indexed					
Domestic Sales		100	77	79	63
Export Sales		100	86	43	34
Total		100	78	78	62

28. The export sales constitute insignificant part of total sales of the domestic industry. The total sales declined sharply from base of 100 in 1999-2000 to 62 during POI. The domestic sales constitute bulk of total sales, accordingly declined from base of 100 in 1999-2000 to 63 during POI.

Production and Capacity Utilisation

	Unit	1999-2000	2000-2001	April'01-June'02	Investigation period annualised
Installed Capacity	MT	***	***	***	***
Production	MT	***	***	***	***
Capacity Utilization	%	***	***	***	***
Indexed					
Production		100	80	75	60
Capacity Utilization		100	80	60	60

29. The installed capacity remained same from 1999-2000 to POI. Production declined sharply from base of 100 in 1999-2000 to 60 during POI. The capacity utilization accordingly declined from base of 100 in 1999-2000 to 60 during POI.

Price undercutting

30. The Authority has compared weighted landed value of imports with weighted average net selling price of the domestic industry for POI. The landed price of export has been determined by making adjustments of landing charges and custom duty amount with cif export price of imports. The undercutting, difference of landed value and net sale price of domestic industry, found out to be significant and in the range of 6-16 % of net selling price of the domestic industry.

Price underselling

31. Price underselling is an important indicator of assessment of injury. The non-injurious price of domestic industry has been worked out by appropriately considering

cost of production for like product during POI. In order to eliminate inefficiencies, capacity utilization has been normated. The evaluation of data shows that the weighted average landed value of Hexamine from subject country is less than the non-injurious price determined for the domestic industry during POI. In this case, there was a significant price undercutting by the dumped imports, therefore, imports had been depressing the price of the like product and consequently dumped imports were forcing domestic industry to undersell the product. Price underselling, determined by comparing landed value from the subject country with non-injurious price of like product of the domestic industry. It was found that weighted landed value of imports from subject country undersells the non-injurious price significantly of the like product. The underselling margin was in the range of 13-23 % during POI.

Factors affecting domestic prices

32. The Authority noted that the selling prices of domestic industry are linked to the raw materials cost and prices of subject goods from the subject country. The Authority observed that cost of production had increased from 1999-2000 to POI but domestic industry could not increase prices of the like product in consonance with the cost of production. It is also noted that selling price of domestic industry remained suppressed due to dumped imports from the subject country and they could not raise prices due to lower landed value of the dumped imports.

Magnitude of margin of dumping

33. The Authority observed that the magnitude of margin of dumping of subject goods from subject country is significant. For determination of margin of dumping, the Authority has determined ex-factory export price by making adjustments as claimed by exporter. The normal value has been constructed on the basis of facts available by taking international price of raw material and selling, administrative and general expenses of the domestic industry with reasonable profit margin.

Evidence of lost contracts

34. No evidence has been provided by the domestic industry showing loss of contracts.

Inventory

	Unit	1999-2000	2000-2001	April'01-June'02	Investigation period annualised
Opening Stock	MT	***	***	***	***
Closing Stock	MT	***	***	***	***
Avg. Stock	MT	***	***	***	***
Production per day	MT	***	***	***	***

No. of days production in stock	Nos.	***	***	***	***
No of days Indexed		100	200	180	180

35. The inventory, measured in term of equivalent of number of days of production, doubled from 1999-2000 to POI. The increase in inventory had occurred despite decline in production during the same period.

Return on Investment and ability to raise capital

	Unit	1999-2000	2000-2001	April'01-June'02	Investigation period annualised
Gross fixed assets-products concerned	Rs. Lacs	***	***	***	***
Working Capital-product concerned	Rs. Lacs	***	***	***	***
Capital employed	Rs. Lacs	***	***	***	***
Total profit from the product	Rs. Lacs	***	***	***	***
Return on capital employed	%	***	***	***	***
ROI Indexed		100	-189	-165	-165

36. The return on capital employed was positive in 1999-2000 and become negative during POI. From the base of 100 in 1999-2000 it become negative 165 during POI. For determining the rate of return, total capital employed has been considered as gross fixed asset and working capital employed on the concerned product.

Profitability

	Unit	1999-2000	2000-2001	April'01-June'02	Investigation period annualised
Avg. Cost of production	Rs./MT	***	***	***	***
Avg. Selling price	Rs./MT	***	***	***	***
Profit/Loss	Rs./MT	***	***	***	***
Indexed					
Avg. Cost of production		100	146	125	125

121791/2005-9

Avg. Selling price		100	125	106	106
Profit/Loss		100	-219	-197	-197

37. The average of cost of production of the like product had increased from base of 100 in 1999-2000 to 125 during POI, but average selling price increased only to 106 during the same period. This shows difficulty in increasing the price of like product because of pressure of dumped imports. Consequently, profitability from position of positive return in 1999-2000 turned negative sharply during POI.

Employments

	Unit	1999-2000	2000-2001	April'01-June'02	Investigation period annualised
Employment (Numbr of employees)	Nos.	***	***	***	***
Indexed		100	100	100	100

38. The employment had not changed and remained same from 1999-2000 to POI.

Productivity

	Unit	1999-2000	2000-2001	April'01-June'02	Investigation period annualised
Productivity (Production per Employee)	MT	***	***	***	***
Indexed		100	80	75	75

39. Number of employees had not changed from 1999-2000 to POI but the production of like product had declined from base of 100 in 1999-2000 to 66 during POI. Consequently, productivity per employee came down from base of 100 in 1999-2000 to 75 during POI.

Salary & Wages

	Unit	1999-2000	2000-2001	April'01-June'02	Investigation period annualised
Salary & Wages	Rs. Per employee	***	***	***	***
wages indexed		100	107	116	116

40 Because of rules relating to employment, salary and wages increased from 1999-2000 to POI. Number of employee had not changed from 1999-2000 to POI but salary and wages had increased from base of 100 in 1999-2000 to 116 during POI.

Cash Flow

	Unit	1999-2000	2000-2001	April'01-June'02	Investigation period annualised
Cash Flow (unit as a whole)	Rs. Lacs	***	***	***	***
Indexed		100.00	68.15	60.37	60.37

41. The domestic industry is a multi-product company involved in production of other products also. The Cash flow of domestic industry is reflective of operation relating to unit as a whole.

Conclusion on Injury

42. On examination of injury parameters, the following conclusions are made by the Authority regarding injury suffered by the domestic industry.

- (a) Imports from subject country had increased in absolute term during period of examination.
- (b) Sales of domestic industry declined during period of investigation.
- (c) Imports from subject country had been undercutting the selling price of domestic industry.
- (d) Imports from subject country had been underselling the non-injurious price of domestic industry significantly.
- (e) Profitability of domestic industry had turned negative during period of investigation which was positive in 1999-2000.
- (f) Domestic industry is suffering from price suppression as cost of production of subject goods had increased whereas domestic industry could not increase selling price in consonance with the cost of production.
- (g) Return on capital employed turned negative sharply during period of investigation whereas it was positive in 1999-2000.
- (h) The production of domestic industry had declined during period of investigation.
- (i) Despite decline in production, inventory of domestic industry increased during period of investigation.

Causal Link and other factors

43. The Authority has examined the submissions made by interested parties in respect of the issue of causal link. A detailed examination was made by the Authority with regards to issues pertaining to the material injury to the domestic industry and causal link between the material injury to the domestic industry and dumped imports. Paragraph V of Annexure II of the Anti-dumping Rules reads as under :

"It must be demonstrated that the dumped imports are, through the effects of dumping, as set forth in paragraphs (ii) and (iv) above, causing injury to the domestic industry. The demonstration of a causal relationship between the dumped imports and the injury to the domestic industry shall be based on an examination of relevant evidence before the designated authority. The designated authority shall also examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, and the injury caused by these other factors must not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumping prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry."

44. The Authority notes that share of imports from subject country had increased during period of investigation and during the same period the imports from other countries had declined. The total demand of product had declined during period of investigation but market share of subject country increased and captured around 2.06 %, whereas market share of other countries declined to 4.62 % during period of investigation from 11.44 % in 2000-01 and market share of petitioner declined from 45.34 % in 1999-2000 to 33.59 % during period of investigation.

45. The dumped imports were causing price-undercutting that ranged from 6-16 % of the net selling price of the domestic industry. The dumped imports also caused price suppression as domestic industry could not raised price of the product in consonance with increase in cost of production. The dumped imports were not only causing undercutting but it were also being undersold the non-injurious price of the domestic industry that ranged from 13-23 %. This resulted in losses per units during period of investigation whereas it was in position of profit in 1999-2000.

46. The pressure of price-undercutting and losses to the domestic industry resulted in decline in production and decline in capacity utilization during period of investigation which in turn affected productivity and cash flow, consequently return on capital employed turned negative during period of investigation whereas it was positive in 1999-2000.

47. No other factor has come to the notice of the Authority which might be causing injury to the domestic industry.

INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

48. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

49. It is recognised that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of Hexamine. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore would not affect the availability of the product to the consumers.

CONCLUSIONS

50. It is seen after considering the foregoing that:

(a) Hexamine, originating in or exported from Iran has been exported to India below normal value, resulting in dumping;

(b) the domestic industry has suffered material injury;

(c) injury has been caused by imports from the subject country.

51. It has been decided to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less which if levied, would remove the injury to the domestic industry. Accordingly, it is proposed that definitive anti-dumping duties be imposed, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on Hexamine originating in or exported from Iran, falling under Chapter 29 of the Customs Tariff Act and ITC no. 2921.2901. The anti-dumping duty shall be the amount mentioned in Col.3.

Country 1.	Name of the producer/exporter 2.	Amount 3. (USD/MT)
Iran	(a) M/s Sina Chemicals	107.28
	(b) All other producers/exporters	107.28

1217 G/2005-10

52. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

53. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff Rules, 1995.

DR. CHRISTY FERNANDEZ, Designated Authority